

## भारत-कनाडा संबंधों पर खालसितान का प्रभाव

### प्रलिम्स के लिये:

भारत-कनाडा संबंधों पर खालसितान का प्रभाव, [खालसितानी आंदोलन](#), [ऑपरेशन ब्लू स्टार \(1984\)](#), सखि उग्रवाद, [कट्टरवाद](#)

### मेन्स के लिये:

भारत-कनाडा संबंधों पर खालसितान का साया, द्विपक्षीय संबंधों पर इसका प्रभाव।

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस](#)

## चर्चा में क्यों?

हाल ही में भारत और कनाडा के बीच तनाव तब बढ़ गया जब कनाडा के प्रधानमंत्री ने जून 2023 में सरे में भारत द्वारा आतंकवादी के रूप में नामित एक खालसितानी नेता की हत्या में भारत की संलग्नता का आरोप लगाया।

भारत ने इन आरोपों को खारजि करते हुए कनाडा पर खालसितानी चरमपंथियों को पनाह देने का आरोप लगाया।

## खालसितान आंदोलन:

- [खालसितान आंदोलन](#) वर्तमान पंजाब (भारत और पाकस्तान दोनों) में एक पृथक, संप्रभु सखि राज्य की लड़ाई है।
- यह मांग कई बार उठती रही है, सबसे प्रमुख रूप से वर्ष 1970 और वर्ष 1980 के दशक में हसिक वदिरोह के दौरान जसिनेंजाब को एक दशक से अधिक समय तक पंगु बना दिया था।
- [ऑपरेशन ब्लू स्टार \(1984\)](#) और ऑपरेशन ब्लैक थंडर (वर्ष 1986 एवं वर्ष 1988) के बाद भारत में इस आंदोलन को कुचल दिया गया था, लेकिन इसने सखि आबादी के कुछ वर्गों, विशेषकर कनाडा, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में सखि प्रवासी लोगों के बीच सहानुभूति और समर्थन जारी रखा है।

## कनाडा में हाल की भारत वरिधी गतविधियाँ:

- हालिया भारत वरिधी गतविधियाँ:
  - [ऑपरेशन ब्लू स्टार वर्षगाँठ परेड \(जून 2023\)](#): ब्रैम्पटन, ऑंटारियो में आयोजित एक परेड में पूर्व प्रधानमंत्री इंदरि गांधी की हत्या का जशन मनाया गया, जसिमें खून से सना हुआ एक चित्र प्रदर्शित किया गया और दरबार साहबि पर हमले का बदला लेने का समर्थन किया गया।
  - [खालसितान समर्थक जनमत संग्रह \(2022\)](#): खालसितान समर्थक संगठन सखि फॉर जस्टिस (SFJ) ने ब्रैम्पटन में खालसितान पर एक तथाकथित "जनमत संग्रह" आयोजित किया, जसिमें महत्त्वपूर्ण समर्थन का दावा किया गया।
  - [साँझ सवेरा पत्रिका \(2002\)](#): वर्ष 2002 में टोरंटो स्थित पंजाबी भाषा की साप्ताहिक पत्रिका साँझ सवेरा ने [इंदरि गांधी की हत्या का जशन मनाते हुए](#) ज़मिमेदार व्यक्तियों का महमिमंडन करते एक कवर चित्रण के साथ उनकी मृत्यु की सालगिरिह की बधाई दी।
  - पत्रिका को सरकारी वजिजापन मलि और अब यह कनाडा का एक प्रमुख दैनिक समाचार पत्र है।
- ऐसी गतविधियाँ पर भारत की चिताएँ:
  - कनाडा स्थित भारतीय राजनयिकों ने कई अवसरों पर कहा है कि "सखि उग्रवाद" से नपिटने में कनाडा की वफिलता और खालसितानियों द्वारा भारतीय राजनयिकों तथा अधिकारियों का लगातार उत्पीडन, [वदिश नीतिका एक प्रमुख तनाव बढि है](#)।
  - भारतीय प्रधानमंत्री ने [नई दलिली में G20 शखिर सम्मेलन](#) के मौके पर कनाडा के प्रधानमंत्री से कनाडा में सखि वरिधी प्रदर्शन के वषिय में कड़ी चिता जताई।
  - कनाडा ने भारत के साथ प्रस्तावित व्यापार संधि पर बातचीत रोक दी है।

## खालसितानी कट्टरवाद भारत-कनाडा संबंधों परभावति करेगा:

- **तनावपूर्ण राजनयिक संबंध:**
  - आरोप-प्रत्यारोप से राजनयिक संबंधों में तनाव उत्पन्न हो सकता है, जिससे दोनों देशों के बीच समग्र संबंध परभावति होंगे।
  - भरोसा और विश्वास समाप्त हो सकता है, जिससे विभिन्न द्विपक्षीय एवं अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर सहयोग करना मुश्किल हो जाएगा।
- **सुरक्षा संबंधी नहितार्थ:**
  - खालसितान आंदोलन को वदियों में भारत की संप्रभुता के लिये एक सुरक्षा जोखिम के रूप में देखा जाता है।
    - भारत ने अप्रैल 2023 में सखि अलगाववादी आंदोलन के एक नेता को कथित तौर पर खालसितान की स्थापना के लिये आंदोलन का आह्वान करने पर गरिफ्तार कया, जिससे पंजाब में हिसा की आशंका पैदा हो गई।
  - इससे पहले वर्ष 2023 में भारत ने इंदिरा गांधी की हत्या को दर्शाने वाली परेड में झाँकी की अनुमति देने के लिये कनाडा का वरिध कया था और इसे सखि अलगाववादी हिसा का महामामंडन माना था।
    - कनाडा, बर्टिन, अमेरिका तथा ऑस्ट्रेलिया में भारतीय राजनयिक मशिनों पर सखि अलगाववादियों एवं उनके समर्थकों द्वारा लगातार प्रदर्शन भारत की संप्रभुता और अखंडता के लिये खतरा बन सकता है जो कभारत के लिये एक चति का वषिय है।
- **व्यापार और अर्थव्यवस्था पर प्रभाव:**
  - व्यापार संबंधों को नुकसान हो सकता है क्योंकि ये आरोप भारत और कनाडा के बीच व्यापारिक साझेदारी और नविश प्रवाह को प्रभावति कर सकते हैं।
  - बढ़ते राजनीतिक तनाव के परिणामस्वरूप, व्यवसाय में अतरिकित सावधानी बरत सकते हैं या अपनी भागीदारी पर पुनर्वचार कर सकते हैं।
    - भारत-कनाडा के बीच वस्तुओं का द्विपक्षीय व्यापार वर्ष 2022 में लगभग 8.2 बलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँच गया, जो वर्ष 2021 की तुलना में 25% की वृद्धि दर्शाता है।
    - सेवा क्षेत्र को द्विपक्षीय संबंधों में एक महत्वपूर्ण योगदानकर्ता के रूप में जोर दिया गया तथा 2022 में द्विपक्षीय सेवा व्यापार का मूल्य लगभग 6.6 बलियन अमेरिकी डॉलर था।
- **प्रमुख मुद्दों पर सहयोग में कमी:**
  - जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद-रोधी और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा जैसी महत्वपूर्ण वैश्विक चुनौतियों पर सहयोग को लेकर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।
  - दोनों देशों को अपनी स्थिति को संरेखति करना और मलिकर इन साझा चिंताओं पर प्रभावी ढंग से कार्य करना चुनौतीपूर्ण लग सकता है।
- **संभावति यात्रा और लोगों पर प्रभाव:**
  - बढ़ते तनाव से भारतीय और कनाडाई नागरिकों के बीच यात्रा और बातचीत प्रभावति हो सकती है, जिससे एक-दूसरे के देशों की यात्रा करना अधिक बोझिल या कम आकर्षक हो जाएगा।
- **अप्रवासन नीतियों का पुनर्मूल्यांकन:**
  - ऐसे तत्त्वों को आश्रय देने के बारे में भारत की चिंताओं के जवाब में कनाडा अपनी अप्रवासन नीतियों की समीक्षा कर सकता है या उन्हें सख्त कर सकता है, खासकर खालसितानी अलगाववाद से जुड़े व्यक्तियों के संबंध में।
- **दीर्घकालिक द्विपक्षीय सहयोग:**
  - हालिया तनाव का दीर्घकालिक द्विपक्षीय सहयोग और साझेदारी पर स्थायी प्रभाव पड़ सकता है।
  - विश्वास का पुनर्निर्माण और रचनात्मक संबंध पुनः स्थापति करने के लिये पर्याप्त प्रयास एवं समय की आवश्यकता हो सकती है।
  - भारत ने वर्ष 1947 में कनाडा के साथ राजनयिक संबंध स्थापति कये। भारत और कनाडा के बीच साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, दो समाजों की बहु-सांस्कृतिक, बहु-जातीय एवं बहु-धार्मिक प्रकृति व दोनों देशों के लोगों के बीच मज़बूत संपर्कों पर आधारित दीर्घकालिक द्विपक्षीय संबंध हैं।

## कनाडा में खालसितान आंदोलन और आतंकवाद का इतिहास:

- **कनाडा में प्रारंभिक खालसितान आंदोलन:**
  - खालसितान आंदोलन की जड़ें सुरजन सहि गलि द्वारा वर्ष 1982 में वैकूवर में सीमति स्थानीय सखि समर्थन के साथ नरिवासति खालसितान सरकार' के कार्यालय की स्थापना से जुड़ी हैं।
  - पंजाब में उग्रवाद से संबंध:
    - वर्ष 1980 के दशक के दौरान पंजाब में उग्रवाद का असर कनाडा पर पड़ा।
    - पंजाब में आतंकवाद के आरोपी तलवदिर सहि परमार जैसे व्यक्तियों से नपिटने के कनाडा के तरीके की भारत ने आलोचना की थी।
- **एयर इंडिया पर बमबारी (1985):**
  - जून 1985 में खालसितानी संगठन बबबर खालसा द्वारा एयर इंडिया के विमान कनषिक पर बमबारी के साथ कनाडा ने आतंकवाद का कभयानक कृत्य देखा।

## भारत और कनाडा के बीच तनाव के वगित उदाहरण:

- **प्रारंभिक तनाव (1948):**
  - इन दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण रशिते की शुरुआत सबसे पहले वर्ष 1948 में हुई जब कनाडा ने कश्मीर में जनमत संग्रह का समर्थन कया था।
- **वर्ष 1998 का परमाणु परीक्षण:**
  - भारत द्वारा वर्ष 1998 में कये गए परमाणु परीक्षणों के बाद कनाडा द्वारा भारत में अपने उच्चायुक्त को वापस बुलाने इन दोनों देशों के बीच के संबंधों में कड़वाहट का प्रतीक है।

## ■ हालिया स्थिति:

- कनाडा के प्रधानमंत्री द्वारा **किसानों के वरिध प्रदर्शन पर भारत की प्रतिक्रिया पर व्यक्त चिंता** और खालस्तान जनमत संग्रह का समर्थन करने वाली न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी के साथ उनकी लबरल पार्टी के गठबंधन के आलोक में दोनों देशों के बीच तनाव और बढ़ गया।

## आगे की राह

- भारत सरकार को पंजाब के आर्थिक विकास में निवेश करना चाहिये और उनके लिये संसाधनों, अवसरों तथा लाभों का उचित हिसा सुनिश्चित करना चाहिये।
- सरकार को पंजाब में व्याप्त बेरोज़गारी, नशीली दवाओं के दुरुपयोग, पर्यावरण क्षरण और कृषि संकट की समस्याओं का भी समाधान करना चाहिये।
- भारत सरकार को खालस्तान आंदोलन के दौरान हुई हिसा और मानवाधिकार उल्लंघन के पीड़ितों तथा बचे लोगों के लिये न्याय सुनिश्चित करना चाहिये।
- दोनों देशों को आपसी चिंताओं और शिकायतों पर खुलकर चर्चा करने के लिये सरकार के वभिन्न स्तरों पर संवाद करना चाहिये।
- खालस्तान मुद्दे का समाधान करने, एक-दूसरे के दृष्टिकोण को स्पष्ट करने और सर्वहति के लिये एक रचनात्मक संवाद करना चाहिये।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/the-khalistan-shadow-on-india-canada-ties>

